वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम. ए. उतरार्द्ध परीक्षा

एमएआरजे - 05

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल हियौडा हैं।

खंड- स

नोट: नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा 400 **सूं** 500 **सबद है। हरैक प्रश्न** 16 **अंक रौ है।** **16 × 2 = 32**

प्रश्न 1 **''ढोला मारू रा दूहा'' री सिल्पगत विवेचना करौ।**

अथवा

''कान्हड़दे प्रबन्ध में उण जुग रै सामाजिक दरसाब रौ सांचै चितराम मंड्योड़ौ है।'' इण कथन री उदाहरणां साथै विवेचना करौ।

प्रश्न 2 **'रणमल्ल छंद काव्यत्व रौ सांतरौ उदाहरण है।' इण कथन नै दीठ में राखतां थकां रणमल्ल छंद काव्य री विसयगत विराळ करौ।**

अथवा

''हाला-झाला रा कुण्डलिया' वीर रस री सिरै कृति है।'' इण कथन रै आधार माथै 'हाला झाला रा कुण्डळिया' रचना रौ काव्यगत फुटरापौ उजागर करौ।

प्रश्न 3 **'क्रिसन रूकमणी री वेलि' री भावपख अर कलापख रै आधार माथै उदाहरणां साथै विवेचना करौ।**

अथवा

कवेसर नरहरिदास बारहठ री रचनावां बाबत उदाहरणां साथै विस्तार सूं जाणकारी देऔ।

प्रश्न 4 **आसानंद बारहठ री रचनावां री उदाहरणां साथै निरख-परख करौ।**

अथवा

महाकवि पृथ्वीराज राठौड़ रै व्यंितव री विसेसतावां नै विस्तार सूं उजागर करौ।

प्रश्न 5 'ढोला-मारू रै दूहा' रौ भावपख विस्तार साथै उजागर करौ।

अथवा

'रणमल्ल छंद' री काव्यगत विसेसतावां नै उदाहरणां साथै उजागर करौ।

प्रश्न 6 पृथ्वीराज राठौड़ रचित चावै काव्यग्रंथ 'क्रिसन रूकमणी री वेलि' री कथा रौ मूल आधार बतावतां थकां इण काव्य रौ फुटरापौ उदाहरणां साथै उजागर करौ।

अथवा

ईसरदास री चावी रचना 'हरिरस' री उदाहरणां साथै समीक्षा करौ।

प्रश्न 7 कवि आशानंद रै व्यंितव-कृतित्व बाबत विस्तार सूं लिखौ।

अथवा

'बीसलदेव रासौ' काव्य रौ काव्यसौनदर्य उदारणाां साथै उजागर करौ।

प्रश्न 8 अल्लूजी कविया री रचनावां रौ वर्गीकरण करता थकां वांरी रचनावां में वरणित विसयां नै विगतवार समझाऔ।

अथवा

महाकवि पृथ्वीराज राठौड़ रै व्यंितव री विसेसतावां नै विस्तार सूं उजागर करौ।

प्रश्न 9 चावै प्रेमाख्यान 'ढोला मारू रा दूहा' री विवेचना करौ।

अथवा

'रणमल्ल छंद' री काव्य सिल्प गत विवेचना करौ।

प्रश्न 10 'क्रिसन-रूकमणी री वेलि' रौ काव्यगत फुटरापौ उदाहरणां रै मारफत उजागर करौ।

अथवा

वीररस री सिरै काव्य रचना 'हल्ला-झाला रा कुण्डलिया' री साहित्यिक दीठ सूं विवेचना करौ।

प्रश्न 11 नरहरिदास बारहठ रै व्यंितव अर कृतित्व नै विस्तार सूं उजागर करौ।

अथवा

महाकवि पृथ्वीराज राठौड़ रै व्यंितव री विसेसतावां नै विस्तार सूं उजागर करौ।

प्रश्न 12 कवि आशानंद बारहठ री रचनावां री उदाहरणां साथै निरख-परख करौ।

अथवा

अल्लूजी कविया री रचनावां रौ वरगीकरण करता थकां उणारी रचनावां में वरणित विसयां नै उदाहरणां साथै समझाऔ।